नाबालिग पत्नी को नहीं भेजने पर दामाद ने की सास की हत्या

मृतका के 16 व 14 साल की दो बच्चियां है और मृतका का पति भी मर चुका है

उदयपुर, (निसं)। नाबालिग पत्नी को नहीं भेजने से आवेश में आए एक दामाद अपनी सास को अपने साथ राजसमंद अपने गांव लेकर गया और उसकी हत्या कर शव को माइंस में फैंक दिया। मृतका के 16 व 14 साल की दो बच्चियां है और मृतका का पति भी मर चुका है। ऐसे में दोनों बच्चियां अनाथ हो गई और दोनों की जिम्मेदारी उनके मामा पर आ गई।

मामला सुखेर थाना क्षेत्र का है। गीता (33) पत्नी सुरेन्द्र सिंह निवासी हवा मंगरी सुखेर ने अपनी पुत्री जान्हवी कुँवर (16) की शादी इसी वर्ष 12 मई को ईश्वर सिंह पुत्र धनसिंह निवासी आरना केलवा राजसमंद से करवाई थी। शादी के दौरान यह तय किया था कि बालिग होने पर ही जान्हवी कुँवर को ससुराल भेजा जाएगा और तब वह अपने पीहर में रहकर पढ़ाई करेगी। साथ ही यह भी तय किया गया था कि जान्हवी कुंवर ससुराल में भी पढाई करेगी। शादी के कुछ दिनों बाद पता चला कि ईश्वर सिंह की पूर्व में शादी हो चुकी है, जिससे उसका तलाक भी हो चुका है। यह बात भी जान्हवी के परिजनों से छिपाई गई। शादी के बाद से ही ईश्वर सिंह लगातार दबाव बना रहा था कि गीता अपनी पुत्री जान्हवी को ससुराल भेज दे पर गीता पूर्व में तय हुए वायदे के अनुसार ससुराल नहीं भेज रही थी। इसी को लेकर ईश्वर सिंह नाराज चल रहा था।

रविवार को ईश्वर सिंह उदयपुर आया और अपनी सास गीता कुँवर को साथ लेकर अपने गांव आरना केलवा राजसमंद लेकर गया। दोपहर को जान्हवी ने मां गीता को फोन किया तो गीता ने कहा कि वह कुछ समय में रवाना हो रही है। शाम को वापस फोन किया तो गीता ने फोन नहीं उठाया। इस पर लगातार कई बार फोन किया तो केवल मैसेज ही आ रहे थे। जब ईश्वर सिंह को फोन तो उसने कहा कि उसकी मां निकल

- **पुलिस ने शव बरामद कर हत्या का मामला दर्ज किया, आरोपी को पकड़ा**

चुकी है। शाम तक नहीं आने पर गीता की दोनों बेटियां जान्हवी व ईशिका दोनों सुखेर थाने पहुँची और रिपोर्ट दी।

इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर गीता की लोकेशन निकलवाई तो उसकी लोकेशन मीरानगर में राजकमल होटल के पास आई। इस पर दोनों बेटियां तलाशने के लिए गई तो काफी तलाशने के बाद भी उसका पता नहीं चला। बेटियों ने सोचा कि मां घर पर आ गई होगी तो वे पुन: घर पर गई तो मां घर पर नहीं थी। इस पर सुखेर थाने पर जाकर बताया तो फिर से लोकेशन निकलवाई तो फिर से फोन की लोकेशन फिर से वहीं पर निकली। इस पर मीरानगर में राजकमल होटल पर जाकर देखा तो गीता का फोन झाडियों में पडा मिला। यह देखकर पुलिस को शंका हुई और सुखेर थाने से जाब्ता ईश्वर सिंह के गांव आरना केलवा राजसमंद गया। वहां पर जाकर ईश्वर सिंह की मां से पूछा तो मां ने बताया कि ईश्वर सिंह माइंस पर गया है। पुलिस ने शंका के आधार पर घर की छत पर जा देखा तो वहां पर ईश्वर सिंह भागने का प्रयास कर रहा था, जिसे पुलिस ने पकडा और अपने साथ सुखेर थाने पर लेकर आई। यहां पर पूछताछ में ईश्वर सिंह में पहले तो ईश्वर सिंह मना करता रहा और बाद में जब सख्ती से पूछा तो ईश्वर सिंह ने बताया कि उसने अपनी सास गीता की हत्या कर शव को माइंस में फैंक दिया। इस पर पुलिस पुन: आरना गांव केलवा राजसमंद गई, जहां पर माईंस में से गीता का शव बरामद किया। शव के गले में दो जगह पर रस्सियों के निशान थे और सीने पर भी मारपीट करने के निशान थे। पुलिस ने शव बरामद कर हत्या का मामला दर्ज कर शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतका के परिजनों की आर्थिक स्थिति खराब होने पर मृतका के शव का बैकुण्ठ धाम सेवा संस्थान के सुपुर्द किया। संस्थान के हिरालाल साहू व शंकरदयाल शर्मा ने मृतका के परिजनों के साथ अंतिम संस्कार करवाया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी ईश्वर सिंह अपनी पत्नी जान्हवी कुंवर को अपने साथ रखना चाहता था, पर गीता कुंवर अपनी 16 साल की बेटी को साथ नहीं भेजना चाहती थी। इसी कारण ईश्वर सिंह काफी नाराज चल रहा था। इसी कारण ईश्वर सिंह अपनी सास गीता को साथ लेकर गया, जहां पर विवाद हुआ और ईश्वर सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर गीता की हत्या कर दी।

उदयपुर में हनीट्रैप का खुलासा, पांच गिरफ्तार

- **सभी जयपुर निवासी और उदयपुर में कर रहे थे नौकरी**
- **आरोपी रिमाण्ड पर, मुख्य सरगना की तलाश जारी**

उदयपुर, (कासं)। वेब पर टीओटीटीएएएक्स के नाम से एक वेबसाईट बनाकर उस पर लड़कियों के फोटो अपलोड कर क्लिक करने वाले युवाओं को फंसाकर उन्हें सुनसान जगह पर बुलाकर मारपीट तलवार से डरा-धमकाकर और बदनाम करने की धमकी देकर नकदी व जेवरात लूटने में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले तीन-चार माह में सैंकडों लोगों से लूटपाट कर चुके है और शर्म के मारे अब तक कोई भी थाने नहीं आया। ये सभी आरोपी युवक जयपुर के एक व्यक्ति के अंडर में नौकरी करते है और वहां से उन्हें निश्चित वेतन मिलता है। आरोपी लूटपाट का कुछ हिस्सा खुद रखते है और शेष पैसा जयपुर भेजते हैं।

मामला प्रतापनगर थाना क्षेत्र का है। एसपी भुवन भूषण यादव ने अनैतिक गतिविधियां करने वालों के खिलाफ कार्यवाही के आदेश दे रखे है। इसी दौरान एएसपी सिटी अनंत कुमार के निर्देशन में थानाधिकारी हिमांशु सिंह को पता चला कि कुछ लोग वेबसाईट के माध्यम से एक रात के लिए लडकियां उपलब्ध करवाने का झांसा देकर युवकों को एकांत में बुलाकर इन युवाओं को लडकी के साथ बदनाम करने का झांसा देकर या मारपीट कर तलवार से डरा-धमकाकर नकदी और जेवरात लूटने का एक गिरोह चल रहा है। यह गिरोह इतना शातिर है कि इसके झांसे में फंसने वाला किसी भी सूरत में थाने में आकर शिकायत नहीं देता है।

इस पर थानाधिकारी के नेतृत्व में टीम ने एक युवक को बोगस ग्राहक बनाकर वेबसाईट पर जाकर आरोपियों से सम्पर्क करने के लिए कहा। बोगस ग्राहक ने इस वेबसाईट पर क्लिक किया। जिस पर एक मोबाईल नम्बर से संपर्क हुआ। वॉट्सअप पर मैसेज, वाईसकॉल कर बात की। बातचीत करने पर लडकियों के फोटो भेजे। इस पर बोगस ग्राहक ने आरोपियों को एक फोटो को वापस भेजकर उसके संबंध मे रेट के बारे में बात कर मिलने के स्थान व गाडी के बारे मे पूछा तो आरोपियों ने उसे सुखानाका रोड पर महिन्द्रा थार गाडी में मिलना तय किया। इस पर बोगस ग्राहक सुखानाका के नए रोड भेजी गयी लोकेशन पर पहुँचे। साथ में दूरी पर जाब्ता भी चल रहा था, जहां एक काले रंग की थार व एक कार खडी थी 7 बोगस ग्राहक पैदल चलकर थार के पास भेजा। थार से एक लडका नीचे उतरा जिसने बोगस ग्राहक को अपने साथ लेकर के पास खडी दूसरी गाड़ी कार मे बैठा दिया। कुछ देर बाद दोनो थार व कार वहां से रवाना होने लगी।

पुलिस ने घेरा देकर दोनो गाडियों को रोका और दोनो गाडियों मे बैठे व्यक्तियों को पकडकर तलाशी ली तो गाडियों में तलवार, फोन, हिसाब की डायरियां मिली। इन लोगों के कब्जे से 10 मोबाईल फोन, 2 हजार रूपये, 2 डायरियां भी मिले। दोनों कारों में सवार प्रीतम सिंह पुत्र जितेन्द्रसिंह राजावत निवासी मौहब्बपुरा फागी रेनवाल जयपुर, मनीष पुत्र नारायणलाल चौधरी निवासी पवालियां सांगानेर महुनामण्डी जयपुर, अशोक सैन पुत्र रामकिशोर सैन निवासी बगरू बेगस रोड जयपुर, सुबराती खान पुत्र मजीद खान निवासी छोटा बास मौहल्ला साकुन्द नरेना जयपुर, दीपक कुमार पुत्र रामस्वरूप मीणा निवासी कचनार मौजवाबाद जयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से तीन दिन के रिमाण्ड पर प्राप्त किया है और पूछताछ की जा रही है।

व्यापारियों ने किया प्रदर्शन, काम बंद करवाने की दी चेतावनी

मंडावा में रूडिप कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए व्यापारी।

मंडावा, (निसं)। रूडिप कंपनी की कार्यशैली को लेकर मंगलवार को व्यापारियों ने मुकुंदगढ़ मार्ग स्थित रूडिप कार्यालय पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। करीब एक दर्जन से अधिक हाजी मार्केट के व्यापारी रूडिप कार्यालय पहुंचे लेकिन यहां पर कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिलने पर नारेबाजी करते हुए आक्रोश जताया।

व्यापारियों का कहना है कि कस्बे मैं सीवरेज का काम चल रहा है और हाजी मार्केट में बने सभी रास्तों को एक

- **रूडिप कंपनी की कार्यशैली को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया**

साथ खोद कर रख दिया और काम भी धीमी गति से किया जा रहा है जिससे हमारा व्यापार ठप हो रहा है और कंपनी द्वारा काम को तरीके से नहीं किया जा रहा है। मात्र व्यापारियों को परेशान करने का काम किया जा रहा है।

अगर बुधवार सुबह तक अधिकारियों द्वारा कोई पुख्ता आश्वासन इस काम को लेकर नहीं दिया जाता है तो हम यह काम नहीं होने देंगे जिसकी जिम्मेदारी कंपनी अधिकारियों की होगी। इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि राजेश रणजीरोत, व्यापारी साहिल, सुंदरलाल बारी, प्रमोद कुमार योगी, जोगेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह तिहावली, बीरबल सिंह, बजरंग लाल मारोठिया, पवन कुमार, साजिद भाटी, संजय जांगिड़, अनिल कुमार, कयूम, सतीश मराठा सहित अन्य दुकानदार मौजूद रहे।

शिक्षक के घर आग लगने से कैंपर, ट्रैक्टर, बाइक सहित घर का सामान जला

गाडना गांव में शिक्षक के घर शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी

बाप, (निसं)। बाप उपखंड मुख्यालय से महज चार किमी दूर गाडना गांव में एक शिक्षक के मंगलवार सुबह हुई आगजनी की बड़ी घटना में चार वाहन सहित एक कमरा व उसमें रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण शॉटसर्किट बताया जा रहा है। घटना के समय महिलाएं घर में थी। ग्रामीणों द्वारा नुकसान का आंकड़ा लाखों में बताया जा रहा है। आग की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग वहां मौके पर पहुंचे तथा आग पर काबे पाने का प्रयास किया, लेकिन संसाधनों के अभाव में ग्रामीणों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

गाडना गांव में मोहनदान पुत्र शक्तिदान शिक्षक है। मंगलवार सुबह अपने निर्धारित समय पर स्कूल के लिए निकल गये। करीब साढ़े आठ बजे शॉर्ट सर्किट से उनके घर में आग लग गई। देखते ही देखते ही विकराल हुई आग ने कमर के पास खड़े वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। घर की महिलाओं के चिखने चिल्लाने पर नखताराम, गणपत दान, पुनाराम, पुरखाराम, स्वरूप सिंह, राणुलाल व नखतदान, लालचंद

बाप में आग से कैंपर गाड़ी जलकर राख हो गई।

लोहिया सहित बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर मोहनदान भी वापिस घर आ गए। नखताराम लोहिया व अन्य लोग पानी का टैंकर लेकर आये। बाप पुलिस व हल्का पटवारी सहित सरपंच प्रतिनिधि भैरूसिंह, बाप से भाजपा नेता महेश पालीवाल होपारड़ी, मनोज लोहिया, श्याम राठी भी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि विकराल हुई आग से एक कैंपर, एक ट्रेक्टर, एक बाइक, एक थ्रेसर व दो प्लास्टिक की पानी की टंकियां जल गई। कमरे में रखा सारा सामान व बच्चों के पुस्तकें, बिस्तर आदि भी जल गये। लोगों ने आग को बुझाने का भरकस प्रयास, लेकिन आग काबू में आती जिससे पहले ही पीड़ित के सारे वाहन जलकर खाक हो गए थे। हल्का पटवारी ने आग से हुए नुकसान की फर्द रिपोर्ट तैयार की है।

आग बुझने के बाद पहुंची दमकल :- लालचंद लोहिया ने बताया कि उसने दमकल व बाप थाने में आग की घटना के बारे में सूचना दी थी। पुलिस दस मिनट में आ गई, लेकिन दमकल बाप में नहीं थी। इसलिए भडला से सौर्य ऊर्जा कंपनी की दमकल बुलाई पड़ी। दूरी की अधिकता की वजह से उसे आने में दो घंटे से अधिक का समय लग गया। तब तक आग से लाखों का नुकसान हो गया था। आग भी काबू में आ गई थी। भाजपा नेता महेश पालीवाल ने कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही से गाडना में आगजनी की बड़ी घटना हुई है। बाप उपखंड मुख्यालय पर दमकल मांग ग्रामीण लंबे समय से करते आ रहे है, लेकिन सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। आए दिन बाप क्षेत्र में हो रही आगजनी की घटनाओं में पीडित परिवारों को सबकुछ जल कर राख हो जाता है।

शारीरिक शिक्षक द्वारा बालिकाओं से दुराचार का मामला सामने आया

बाप, (निसं)। दुराचार के आरोपी निलंबित शारीरिक शिक्षक से पुलिस द्वारा उसे हिरासत में लेकर सख्ताई से पूछताछ करने की मांग ग्रामीणों ने उठाई है। इसको लेकिन ग्रामीणों ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी की अनुपस्थिति में कार्यालय के जिम्मेदार कार्मिक को ज्ञापन सौंपा। उधर, इसी मामले में फलोदी विधायक पब्बाराम विश्नोई भी बाप में सीधे सीबीईओ कार्यालय पहुंचे।

विधायक ने बाप मुख्यालय पर इस तरह की घटनाओं को शर्मनाक बताते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर ही सवाल उठाये। मंगलवार को उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में लिखा कि बाप क्षेत्र में स्थित विद्यालय में कार्यरत अध्यापक अवधेश चारण ने विद्यालय के नजदीक निजी कमरा ले रखा है।

रविवार को दोपहर में उक्त अध्यापक के रूम में इसी विद्यालय की अध्यनरत छात्रा अंदर गई। आसपास के लोगों को भनक लगी तो वे एकत्रित हो गए तथा रूम का दरवाजा खोलने की कोशिश करने लगे थे। इस बीच उक्त शिक्षक द्वारा छात्रा को पीछे के दरवाजा से आपत्तिजनक हालत में वहां से भगा देने के साथ खुद भी अपनी बाइक छोड़ भाग गया, जो बाप पुलिस थाना परिसर में खड़ी करवाई गई है।

ज्ञापन में लिखा कि छात्रा का पता नहीं चलने की वजह से किसी प्रकार का मुकदमा दर्ज नहीं हो पाया। उक्त शिक्षक को भागाने में अन्य शिक्षक शिवराम यादव ने सहयोग किया। लेकिन रविवार को मामले ने तूल पकड़ लिया। इस कारण शिक्षा विभाग ने दोनों शिक्षकों को निलंबित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सहयोगी शिक्षक शिवपाल यादव बाप पुलिस की हिरासत में है।

दो बाइकों की टक्कर में पिता-पुत्री की सहित तीन की मौत

सुजानगढ़, (निसं)। सोमवार रात गनोडा-सारोठिया मार्ग पर दो बाइक की हुई टक्कर में एक मासूम बालिका सहित तीन जनों की मौत हो गई।

सदर थाने के कांस्टेबल करणाराम ने बताया कि घाबरिया निवासी ओमप्रकाश ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसका भाई तिलोकचंद (23) पुत्र गोपालराम जाट अपनी 6 वर्षीय पुत्री मानवी के साथ बुआ से मिलने के लिए बाइक से पारेवडा गए थे। जहां से सुजानगढ़ आते समय अचानक सडक पर आई नीलगाय को बचाने के चक्कर में बाइक टकराने से हादसा हो गया। दूसरी बाइक पर सवार शराब ठेके पर सेल्समैन का कार्य करने वाले ओंकार सिंह पुत्र मूल सिंह निवासी सुजानगढ़ से अपने गांव लिखमनसर जा रहा था। इसी वक्त सामने से आ रही बाइक पर टक्कर हो जाने से ओंकार सिंह ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद घायल हुए तिलोकचंद व उसकी बेटी मानवी को हारे का सहारा टीम के सदस्य श्याम सुंदर स्वर्णकार, नवरत्न बिजारनिया घटनास्थल से राजकीय बगडिया अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर मौजूद चिकित्सको ने तिलोकचंद को मृत घोषित कर दिया। घायल हुई मानवी को रैफर किया गया। जिसके बाद मानवी ने सीकर एसके अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया।

केवलादेव नेशनल पार्क में प्लास्टिक उत्पादों पर रोक

भरतपुर, (निसं)। पक्षियों की नगरी के नाम से जाने वाला जिले में स्थित केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी उद्यान में देश-विदेशों से हजारों की संख्या में पक्षी प्रतिवर्ष आते हैं। ऐसे में केवलादेव ने विश्वस्तरीय पर्यटन के क्षेत्र में अपनी अनूठी पहचान कायम की है।

वेटलैंड्स, ग्रासलेंड्स के साथ इतिहास की घटनाओं को अपने आंचल में समेटे हुए केवलादेव पक्षियों के साथ स्पोटेड डियर, सांभर, अजगर, विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पेड़ पौधों का घर है। फ़्लोरा एंड फौना से समृद्ध घना यूं तो कई बार पानी से कमी से झूझा। परन्तु प्रशासनिक चेतना के साथ समय रहते घना को बचा लिया गया। इस सबके बीच सबसे बड़ी चुनौती थी, केवलादेव को प्लास्टिक से बचाना। पर्यटकों के साथ खाद्य सामग्री एवं पानी की बोतल के रूप में पार्क के अंदर जाने वाला प्लास्टिक कई बार पर्यटकों की न समझी की वजह से पार्क में दिखाई पड़ता जोकि वन्यजीवन के लिए खतरा साबित हो सकता था। केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी उद्यान के उप वन संरक्षक मानस सिंह द्वारा अनूठी पहल कर घना को प्लास्टिक मुक्त करने की दिशा में प्रयास किये जा रहे है।

मानस ने बताया कि पर्यटकों द्वारा पार्क में लाये जाने वाले उत्पादों की पार्क के प्रवेश द्वार पर चेकिंग की जाती है एवं प्रत्येक प्लास्टिक निर्मित उत्पाद पर 50 प्रति उत्पाद फीस जमा कर एक टैग लगा दिया जाता है। जब पर्यटक पार्क भ्रमण कर वापस आते हैं तो टैग लगे हुए उत्पादों की वापस चेकिंग की जाती है एवं सही संख्या में पाए जाने पर 50 रुपए की फीस वापस कर दी जाती है एवं नहीं पाए जाने पर 50 रुपए जमा कर लिए जाते हैं।

सांचौर के लक्ष्मण देवासी हत्याकांड मामले में धरना दिया, बाजार बंद रहे

सांचोर, (कासं)। सांचौर जिला बनने के बाद हत्याकांड की घटना के बाद हर किसी को सोचने को मजबूर कर दिया। सांचोर के नेशनल हाईवे स्थित थराद रोड़ पर सोमवार शाम पांच बजे अज्ञात युवकों ने शराब कारोबारी लक्ष्मण देवासी के ऊपर फायरिंग कर उनकी हत्या को लेकर परिजन आरोपियों को गिरफ्तारी को लेकर धरने पर बैठ गये। हत्याकांड की घटना के बाद मंगलवार को सांचौर शहर का पूरा मार्केट बंद रहा। शाम को चार बजे पुलिस के अधिकारियों द्वारा आश्वासन देने के बाद धरना को हटाया गया। वही शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया। इस दौरान सांचोर विधायक एवं श्रम राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई मौके पर पहुंचकर परिजनों को इस हत्या को लेकर मुलजिम को शीघ्र गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि आरोपियों की कोई जाति धर्म नहीं है। किसी भी जाति से हो, आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने इस हत्या को लेकर निंदा की। वहीं कांग्रेसी नेता रानीवाडा विधायक रतन देवासी ने इस हत्या को लेकर पुलिस पर सीधे सवाल खड़े किये। इस पर यहां पर कई लोगों से मिले होने की बात सही है। इस मामला को बहुत गंभीर रूप से लिया जाये। उन्होंने बताया कि पुलिस अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी

शराब कारोबारी लक्ष्मण देवासी की हत्या के बाद समाज के लोग धरने पर बैठ गये।

है। यदि जल्द ही पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया तो मैं जिला कलेक्टर सांचौर के सामने धरना पर बैठूंगा। इन आरोपियों को किसी से भी सूरत में बक्सा नहीं जायेगा।

पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी ने कहा कि काफी क्षेत्र में काले शीशे की गाड़ियां बिना नंबरी आगे पीछे बंपर लगाई हुई, खुलेआम घूम रही है। पुलिस इन पर तुरंत कार्यवाही कर तुरंत प्रभाव से सीज करे। सब चोरियों की गाड़ी चल रही है। पिछले कई सालों से यह गुंडाराज चल रहा है। पुलिस इसको हल्के में ना लेकर कार्रवाई करें। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह राव, राव मोहनसिह चितलावना दानाराम चौधरी, मोतीराम चौधरी, रावत सिंह, दुर्गा राम चौधरी, हरचंद राम पुरोहित, शीला बिश्नोई, रोहित, भानाराम देवासी, सांवलाराम देवासी, धनाराम देवासी समाज के साथ 36 कम क्लॉक मौजूद रहे।

देवासी समजा ने सुखराम विश्नोई के प्रति जताया विरोध :- राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई धरना स्थल पर आने पर देवासी समाज के लोगो ने मुलजिम को शह देने का आरोप लगाया और उनके खिलाफ नारे लगाए बताएं कि मुलजिम का राज्य मंत्री सहयोग कर रहे हैं। एक बार मामला गर्मा गया। लेकिन रतन देवासी ने खड़े होकर सब को शांत कर मामला को शांत किया।

विरोध में सांचोर के बाजार रहे बंद :- शराब कारोबारी लक्ष्मण देवासी की हत्या को लेकर व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष हरीश पुरोहित ने इसके विरोध मे समस्त प्रतिष्ठान बंद रखने का घोषणा की थी। जिसके तहत मंगलवार को पूरे दिन बाजार बंद रहा। व्यापारियों ने हत्या का विरोध किया। वहीं लक्ष्मण देवासी मर्डर केस मामले को लेकर उपखण्ड मुख्यालय पर परिजनों के साथ ग्रामीणों का धरना जारी रहा। परिजनों की सहमति के बाद जालोर से आई मेडिकल टीम द्वारा पोस्टमार्टम को परिजन राजी हुए। वहीं हत्याकांड में आरोपी मुकेश पुत्र जगदीश राम बिश्नोई का पुलिस ने फोटो स्केच कर राजस्थान के हर थाने में भेज दिया गया। इस मुलजिम को देखें तो शीघ्र गिरफ्तार करने किया जाये। वही तेजाराम पुत्र वीरमा राम जाती रेबारी निवासी नागौरलडी सांचौर ने पुलिस में प्रकरण दर्ज कराया है।

देरी के आधार पर बीमा कम्पनी को क्लेम निरस्त करने का अधिकार नहीं

- **स्थाई लोक अदालत ने मेडिकल पॉलिसी के तहत भुगतान का दिया आदेश**

जोधपुर, (कासं)। स्थाई लोक अदालत जोधपुर महानगर के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार शर्मा और सदस्य जेठमल पुरोहित व माणकलाल चाण्डक ने एक परिवाद का निस्तारण करते हुए कहा कि देरी के आधार पर बीमा कम्पनी को क्लेम निरस्त करने का अधिकार नहीं है। स्थाई लोक अदालत ने प्रार्थी राकेश जैन द्वारा प्रस्तुत जनोपयोगी सेवा प्रकरण को स्वीकार कर बीमा कम्पनी स्टार हेल्थ एण्ड एलाइड इंश्योरेन्स कम्पनी द्वारा निरस्त किए गए क्लेम को अपास्त कर 69 हजार 23 रुपए की राशि नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 30 दिवस के भीतर भुगतान करने का आदेश पारित किया।

प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता किशोर कुमार व्यास ने स्थाई लोक अदालत के समक्ष तर्क प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रार्थी एक राजकीय कर्मचारी है और पूर्व में नायब तहसीलदार के पद पर कल्याणपुर जिला बाड़मेर में कार्यरत थे। प्रार्थी ने अपने स्वयं एवं परिवार के हितार्थ चिकित्सा सुविधा के लिए मेडिक्लेम पॉलिसी करवाई थी जिसका वार्षिक प्रीमियम 23 हजार रुपए का भुगतान भी प्रार्थी द्वारा समय-समय पर बीमा कम्पनी को अदा किया जाता रहा है। उक्त बीमा पॉलिसी के तहत मेडिक्लेम पांच लाख रुपए तक का प्रार्थी व उसके परिवार का किया गया। प्रार्थी को गत 7 फरवरी 2019 को तेज बुखार आ गया तब प्रार्थी ने राजकीय चिकित्सालय बाड़मेर में उपचार करवाया लेकिन प्रार्थी को कोई राहत नहीं मिली तब प्रार्थी 9 फरवरी 2019 को इलाज के लिए जोधपुर आया और राठी अस्पताल में भर्ती हुआ। छह दिन तक भर्ती रहने के बाद उसकी सेहत में सुधार हुआ और अस्पताल द्वारा प्रार्थी को 14 फरवरी 2019 को छुट्टी दे दी गई।

प्रार्थी ने अस्पताल में भर्ती होने के दौरान ही बीमा कम्पनी को फोन पर सूचित कर दिया था। चूंकि प्रार्थी जिस अस्पताल में इलाज करवा रहा था वह अप्रार्थी इंश्योरेन्स कम्पनी के नॉन नेटवर्क की कैटेगरी में था इसलिये कैशलेस सुविधा मिलना संभव नहीं था। तब प्रार्थी ने इलाज में पिचहतर हजार चार सौ अठावन रुपए व्यय किए और प्रार्थी जैसे ही स्वस्थ होकर अपने कार्यस्थल पहुंचा तो प्रार्थी की लोकसभा चुनाव में इलेक्शन ड्यूटी 14 मार्च, 2019 से लग गई। इस कारण प्रार्थी को एक बार तत्काल अपने कार्यस्थल जाना पड़ा और ड्यूटी ज्वॉइन करनी पड़ी। इस कारण प्रार्थी अपने इलाज में व्यय के लिए क्लेम का आवेदन बीमा कम्पनी को समय पर नहीं कर सका। प्रार्थी जैसे ही जोधपुर आया तब अपने इलाज से सम्बन्धित सभी दस्तावेज एवं बिल क्लेम राशि के पुनर्भुगतान हेतु इंश्योरेन्स कम्पनी के कार्यालय में प्रस्तुत कर दिए।

तब बीमा कम्पनी द्वारा दो मई 2019 को ईमेल से एक पत्र जारी कर यह कथन किया कि प्रार्थी का क्लेम खारिज कर दिया गया है क्योंकि प्रार्थी को अस्पताल से छुट्टी मिलने के तीस दिवस के भीतर बीमा कम्पनी के समक्ष क्लेम प्रस्तुत करना था जो कि प्रार्थी द्वारा नहीं किया गया। इस आधार पर बीमा कम्पनी द्वारा प्रार्थी का जो बीमा दावा केवल तकनीकी एवं गौण आधार पर निरस्त किया है वह त्रुटिपूर्ण है जबकि प्रार्थी चुनाव ड्यूटी में व्यस्त था इसलिये अपना क्लेम प्रस्तुत नहीं कर सका और इस आशय का प्रतिवेदन भी प्रार्थी द्वारा ग्रीवेन्स सेल में प्रस्तुत कर दिया था।